



Department of Sanskrit and Prakrit Languages
University of Lucknow



दिनाङ्क.....

आज दिनाङ्क 22/03/2024 को मध्याह्न 12:00 बजे कुलसचिव के पत्र संख्या M-4733, दिनाङ्क 21/02/24 के अनुपालन में पी-एच.डी. कोर्सवर्क एवं स्नातक पाठ्यक्रमों पर विचार करने हेतु संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग में विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक विभागाध्यक्ष कक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अरविन्द अवस्थी, पदेन अध्यक्ष *22/3/24*
2. डॉ. अभिमन्यु सिंह, समन्वयक *22/03/2024*
3. डॉ. सत्यकेतु *Satyaketu 22/3/24*
4. डॉ. माण्डवी सिंह *माण्डवी सिंह 22-3-24*
5. डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज (आमन्त्रित सदस्य) *22.3.24*
6. डॉ. अशोक कुमार शतपथी (आमन्त्रित सदस्य) *Ajoll 22/3/24*
7. डॉ. बृजेश कुमार सोनकर (आमन्त्रित सदस्य) *Brijesh Kumar 22/3/24*
8. डॉ. गौरव सिंह (आमन्त्रित सदस्य) *Gaurav Singh 22/03/24*
9. डॉ. ऋचा पाण्डेय (आमन्त्रित सदस्य) *Richa 22/03/24*

कार्यवृत्त

1. दिनाङ्क - 21/02/2024 को सम्पन्न पूर्व अध्ययन मण्डल की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गयी।
2. Doctor of Philosophy (Ph.D.) Ordinance 2023 के अनुरूप पी-एच. डी. पाठ्यक्रम पर विचार-विमर्श करके सर्वसम्मति से पाठ्यक्रम अनुमोदित कर पारित किया गया।
3. Ordinance for Undergraduate Programmes (2023) (Under NEP 2020 Framework) के अनुरूप स्नातक स्तर पर सञ्चालित संस्कृत तथा प्रायोगिक संस्कृत के पाठ्यक्रमों (मेजर, माइनर, CC, VC) पर विचारोपरान्त संशोधन कर सर्वसम्मति से पाठ्यक्रमों को अनुमोदित कर पारित किया गया।

बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

Gaurav Singh 22/03/24 *Ajoll 22/03/24*
माण्डवी सिंह 22-3-24 *Richa 22/03/24*
Satyaketu 22/3/24 *Brijesh Kumar 22/3/24*
22/03/2024
पदेन अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता
संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग
कला संकाय
लखनऊ विश्वविद्यालय
डॉ० अभिमन्यु सिंह
समन्वयक
संस्कृत तथा प्राकृत भाषा-विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

UNIVERSITY OF LUCKNOW



नूतनशिक्षानीति: 2020

अनुरूपः

अध्ययनमण्डलसंशोधितः

(22nd March 2024)

चतुर्वर्षीयस्नातक-संस्कृत-पाठ्यक्रमः

(The course of Sanskrit for four year Under Graduate)

According to New Education Policy 2020

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः, लखनऊविश्वविद्यालयः, लखनऊ

Ganow Singh
22/03/24

Shiv
22.03.24

Satyekeshu
22/3/24

Richa
22/03/24

Prasanna
22/3/24

22/03/2024

महेश्वरी
22-3-24

Ayella
22/03/24

Note

** All Students will have to pass the Rashtra Gaurav for obtaining certificate, diploma, undergraduate degree or undergraduate honours degree with research, only once.

CC : Co-curricular Course, VC : Vocational Course.

[illegible]

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-1)

(पद्यसाहित्यम्)

Credits-04

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

T/04

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

महाकविकालिदासकृतकुमारसम्भवम् पञ्चमसर्गः श्लोकाः 1-50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

भारविकृतं किरातार्जुनीयम्-प्रथमसर्गः सम्पूर्णः

(मूलपाठस्य संस्कृतभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

माघकृतं शिशुपालवधम्-प्रथमसर्गः श्लोकाः 1-50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

संस्कृतपद्यसाहित्येतिहासः

(वाल्मीकिः, व्यासः, कालिदासः, भारविः, माघः, श्रीहर्षः, कुमारदासः, अश्वघोषः, बिल्हणः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- संस्कृत महाकाव्य की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः) रायल बुक डिपो, लखनऊ
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः), डा. सत्यकेतु, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- शिशुपालवधमहाकाव्यम्, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डा. अशोककुमार शतपथी, संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
- कालिदास ग्रन्थावली - आचार्य सीताराम चतुर्वेदी-चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Gaurav Singh
22/03/24

Bhushan
22/03/24

Prasanna
22/3/24

Rishu
22/03/24

22/03/2024
22/3/24

Shruti
22/03/24

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - (P-2)

Credit-04

(व्याकरणमनुवादश्च)

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उसके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमो वर्गः (Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- संज्ञाप्रकरणम्

(इत्-लोप-प्रत्याहार-ह्रस्व-दीर्घ-प्लुत-उदात्त-अनुदात्त-स्वरित-अनुनासिक-सवर्ण-संहिता-संयोग-पदादिसंज्ञा-संपूर्णसंज्ञाप्रकरणम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी-अच्सन्धिः

(यण्-अयादि-गुण-वृद्धि-पररूप-दीर्घ-पूर्वरूप-सन्धिगतसूत्राणि तथा प्रकृतिभाव सहितं अच्सन्धिप्रकरणम् सम्पूर्णम्)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

हिन्दीगद्यस्य संस्कृतभाषयानुवादः

(राम, हरि (पुल्लिंग), लता, मति (स्त्रीलिंग), फलम् (नपुंसक) तत् (सर्वनाम त्रिषु लिङ्गेषु)

कृ, भू, अस्, पठ् धातूनां पञ्चलकारेषु

कर्तृवाच्य परिचयः, शब्दरूप परिचयः, अस्मद्, युष्मद्

संस्कृतदैनन्दिन व्यवहारः

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्त्येतिहासः

(पाणिनिः, कात्यायनः, पतञ्जलिः, भर्तृहरिः, भोजः, भट्टोजिदीक्षितः, वरदराजः इत्येतेषां परिचयः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञासंधिप्रकरण), डॉ. वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिरमीमांसक, रामलालकपूरट्रस्टरेवली

hansraj Singh

22/03/24

22/3/24

Richa 22/03/24

मञ्जरी सिंह
22-3-24

22/3/24

22/3/24

22/3/2024

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Second Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-3)

Credits-04

(काव्यशास्त्रम्)

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

प्रथमो वर्गः (Unit-I)

साहित्यदर्पणः (प्रथमपरिच्छेदः)

(काव्यलक्षणम्, काव्यप्रयोजनादि परिच्छेदसमाप्तिपर्यन्तम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

साहित्यदर्पणः (द्वितीयपरिच्छेदः)

(वाक्यलक्षणं, महाकाव्यलक्षणं, शब्दशक्तिविमर्शादि विषयः)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

साहित्यदर्पणः (षष्ठपरिच्छेदः)

महाकाव्य-खण्डकाव्य-गद्यकाव्य-चम्पूकाव्यादीनां सभेदलक्षणोदाहरणानि।

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

साहित्यदर्पणः (दशमपरिच्छेदः)

निर्दिष्टाः द्वादशलंकाराः

(अनुप्रास-यमक-श्लेष सभेद, उपमा सभेद, रूपकसभेद, भ्रान्तिमान्, अपहृतिः, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, प्रतिवस्तुपमा, दृष्टान्तः, निदर्शना)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- काव्यशोभा, (साहित्यदर्पणात्संग्रहः) सम्पादकः प्रो० बृजेश कुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- साहित्यदर्पणः, विश्वनाथः, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
- संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, शालिग्रामशास्त्री, मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी।

Gaurav Singh
22/03/24

Bhushan
22/3/24

Satyaketya
22/3/24

Richa
22/03/24

Arjun
22/3/24

22/03/2024

मच्छतीसिक
22-3-24

22/3/24

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Second Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-4)

(शब्दानुशासनं निबन्धश्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत संधियों का सामान्य ज्ञान प्राप्तकर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उसके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।
- संस्कृत निबंध लेखन तथा अनुवाद कौशल का विकास होगा।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- हल्सन्धि:

(श्रुत्व-ष्टुत्व-पूर्वसवर्ण-जश्त्व-चर्त्व-अनुस्वार-परसवर्णादि हल् सन्धि प्रकरणम् सम्पूर्णम्)

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- विसर्गसन्धि:

विसर्ग-रुत्व-उत्वादि सन्धिसूत्रसहितं विसर्ग सन्धि प्रकरणं सम्पूर्णम्)

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

हिन्दीगद्यस्यसंस्कृतभाषयानुवादः

(कर्मवाच्य परिचयः)

गुरु, पितृ (पुल्लिङ्ग), नदी, मातृ (स्त्रीलिङ्ग), वारि (नपुंसकलिङ्ग), किम् (सर्वनाम्नः त्रिषु लिङ्गेषु), संख्या- शतम् यावत्

गम्, लभ्, सेव्, यज्, शक्, दा पञ्चलकारेषु

व्यावहारिकशब्दः

चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

निबन्ध-लेखनम्

(परोपकारः, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, सत्सङ्गतिः, रम्या रामायणी कथा, गीता सुगीता कर्तव्या, धर्मो रक्षति रक्षितः, वेदानां महत्त्वम्, वेदोऽखिलो धर्ममूलम्)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेनशास्त्री (1-6 भाग), भैमीप्रकाशन, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविंदप्रसादशर्मा एवं आचार्यरघुनाथशास्त्री, चौखंबासुरभारतीप्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञासंधिप्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्यभंडार, मेरठ
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ रामकृष्णआचार्य, विनोदपुस्तकमंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्रका इतिहासयुधिष्ठिरमीमांसक, रामलालकपूरट्रस्टरेवली

Amkar Singh
22/03/24

22.3.24

Richa
22/03/24

मन्मथसिंह
22-3-24

Satyekta
22/3/24

22/3/24

22/03/24

22/03/2024

स्नातक-तृतीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Third Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-5)

(नाटकं नाट्यतत्त्वञ्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-3 अङ्काः)

(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4-5 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (6-7 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

साहित्यदर्पणस्य षष्ठपरिच्छेदस्य निर्दिष्टाः विषयाः

(रूपकभेदाः, रूपकाणां लक्षणानि, पञ्चसन्धयः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्रपांडेय, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ ए.वी.कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत, जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी,
- संस्कृतनाट्यमीमांसा, केशव राव मुसलगांवकर, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली

Ganesh Singh
22/03/24

Bhushan
22.3.24

Richa
22/03/24

मरुती सिंह
22-3-24

Satyajit
22/3/24

22/3/24

22/03/2024

स्नातक-तृतीयषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Third Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-6)

(रूपसिद्धव्याकरणेतिहासश्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत व्याकरण का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- शब्द रचना के विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी- अजन्तपुलिङ्गप्रकरणम्
(सूत्र-व्याख्या)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी- अजन्तपुलिङ्गप्रकरणम्
(रूपसिद्धिः संज्ञापरिचयश्च)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

संस्कृतभाषया निबन्धलेखनम्

(सन्मित्रम्, योगः कर्मसु कौशलम्, मुखं व्याकरणं स्मृतम्, वेदाङ्गानां महत्त्वम्, उपनिषदाम् उपयोगिता, राष्ट्रीय पर्वाणि)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

वामनजयादित्यः, हरदत्तमिश्रः, नागेशभट्टः इत्येतेषामाचार्याणामथ च

कातन्त्र - सरस्वतीकण्ठाभरण - व्याकरणपरिचयः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी वरदराज (अजन्तप्रकरणम्), डॉ. बृजेशकुमारशुक्ल, प्रकाशनकेन्द्र, लखनऊ
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ. यदुनंदन मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- संस्कृत रचना, वी० एस० आर्ये, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- रचानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली
- शब्दरूपकौमुदी, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- शब्दधातुचन्द्रिका, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Gaurav Singh
22/03/24

Bhushan
22/3/24

Devyakshi
22/3/24

Richa
22/03/24

Dr. H. H.
22/03/24

22/03/2024

मायुतीसिंह
22-3-24

स्नातक-चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्
(B.A Fourth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-7)

Credits-04

(गद्यं चम्पूकाव्यञ्च)

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थीसंस्कृतगद्यसाहित्यकासामान्यज्ञानप्राप्तकर, गद्यकाव्यकेभेदोंसेसुपरिचितहोसकेंगे।
- संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तमनागरिकबनेंगे।
- संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

कादम्बरी - शुकनासोपदेशः-व्याख्यात्मकमध्ययनम्
(पूर्वार्द्धः- एवं समतिक्रामत्सु.....चिन्तितापि वञ्चयति इति यावत्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कादम्बरी-शुकनासोपदेशः-व्याख्यात्मकमध्ययनम्
(उत्तरार्द्धः- एवं विधयापि चानया दुराचारया..... स्वभवनमाजगाम इति यावत्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

शिवराजविजयम्-प्रथमो निःश्वासः

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

नलचम्पू- प्रथम उच्छ्वासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट, (संपा.) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश (कादंबरी), डॉ. उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास संपा. शिव करण शास्त्री महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ. रमा शंकर मिश्र, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ. देव नारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ
- नलचम्पू त्रिविक्रमभट्ट, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ. उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गौरीला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी

Ganesh Singh
22/03/24

22.3.24

Richa
22/03/24

Satyaketu
22/3/24

22/3/24

महेश शर्मा
22-3-24

22/03/24

22/03/2024

स्नातक-चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Fourth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-8)

(पदसिद्धिकृतप्रत्ययाश्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत शब्द रचना का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी- अजन्तप्रकरणम् (स्त्रीलिङ्गम्),
(सूत्र-व्याख्या, रूपसिद्धि: संज्ञापरिचयश्च)

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

मध्यसिद्धान्तकौमुदी - अजन्तप्रकरणम् (नपुंसकलिङ्गम्),
(सूत्र-व्याख्या, रूपसिद्धि: संज्ञापरिचयश्च)

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

कृदन्तप्रकरणम् (ल.सि.कौ.) पूर्वकृदन्तम्

चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

कृदन्तप्रकरणम् (ल.सि.कौ.) उत्तरकृदन्तम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी वरदराज (अजन्तप्रकरणम्), डॉ. बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- शब्दरूपकौमुदी, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

22/03/2024

Ganesh Singh
22/03/24

22.3.24

Richa
22/03/24

22/3/24

22/3/24

22-3-24

22/03/24

स्नातक-पञ्चमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Fifth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-9)

Credits-04

(वेदो भारतीयसंस्कृतिश्च)

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

अग्निसूक्तम् (ऋ. 1.1), पुरुषसूक्तम् (ऋ. 10.90), (वेदसूक्तद्वयम्)

(मन्त्रव्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

शिवसङ्कल्पसूक्तम् (यजु. 34), भूमिसूक्तम् (12.1 इत्यस्य विंशतिः प्रश्नाः) (वेदसूक्तद्वयम्)

(मन्त्रव्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

मेधासूक्तम् (यजु. 23 इत्यस्य 13-16 मन्त्राः, संगठनसूक्तम् (ऋ. 10.191)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

भारतीयसंस्कृतिः

(वेदेषु विज्ञानम्, पुरुषार्थचतुष्टयम्, वर्णाश्रमधर्माः, संस्काराश्च)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- ऋक्-सूक्तसंग्रह, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
- ऋग्वेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- यजुर्वेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- अथर्ववेद- दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- श्रुतिप्रभा (वेदसूक्तानां संकलनम्), सम्पादकः- प्रो बृजेशकुमारशुक्लः, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- वेदामृतमंजूषिका, डा. प्रयागनारायणमिश्र, प्रकाशनकेन्द्र, लखनऊ
- हिन्दू संस्कार- डा. राजबली पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास- पी. वी. काणे, उ.प्र हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- वैदिक सृष्टि उत्पत्ति रहस्य, डा. विष्णुकान्तवर्मा, वैदिक प्रकाशन, इलाहाबाद
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भ समालोचनिका- प्रो बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
- आपस्तम्बीय कर्ममीमांसा, डा. प्रयागनारायणमिश्र, प्रतिभाप्रकाशन, दिल्ली
- वेद विज्ञान एवं ब्रह्माण्ड, डा. चन्द्रमणिसिंह, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
- वैदिकसाहित्यका इतिहास, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- वैदिकसूक्तसंग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास, NCERT, नई दिल्ली।
- The New Vedic Selection, Part- I, Braj Bihari Choubey, Bharatiya Vidya Prakashan, Varanasi.

Ganesh Singh
22/03/24

Bishu
22.3.24

मधुसूता सिंह
22-3-24
Richa
22/03/24

Dityeketu
22/3/24

Prashant
22/3/24

Aravind
22/03/24

स्नातक-पञ्चमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Fifth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – (P-10)

Credits-04

(रूपकं रससिद्धान्तश्च)

T/04

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

भवभूतिकृतम्- उत्तररामचरितम् (1-2 अङ्कौ)

(मूलपाठस्य हिन्दीसंस्कृतव्याख्या)

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

भवभूतिकृतम्- उत्तररामचरितम् (3-4 अङ्कौ)

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

उत्तररामचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

रसस्वरूप: तद्भेदाश्च

(साहित्यदर्पणस्य तृतीयपरिच्छेदस्थः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- उत्तररामचरितम् भवभूतिः हिन्दीसंस्कृतटीकाकारः - डॉ. रमाशंकरत्रिपाठी
- उत्तररामचरितम् भवभूति हिन्दीसंस्कृतटीकाकार डॉ. कपिलदेवगिरि
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ. ए.वी. कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत, जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी
- दशरूपकम् केशवराव मुसलगांवकर चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत नाट्य मीमांसा खण्ड-1, खण्ड-2 केशवराव मुसलगांवकर परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- भवभूति, अनुवाद-केशवराव मुसलगांवकर, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
- साहित्यदर्पण, शालिग्रामशास्त्री, मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी।
- साहित्यदर्पण, P.V. Kane, MLBD Publication.

22/03/2024

22/03/24

22.3.24

Richa 22/03/24

22/3/24

22/3/24

22-3-24

22/03/24

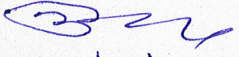
स्नातक-पञ्चमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Fifth Semester)

विषय - संस्कृत

Credits-04

**Internship/ Term Paper/
Minor Project in Major A**



22/03/2024

Gaurav Singh

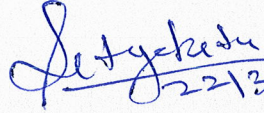
22/03/24



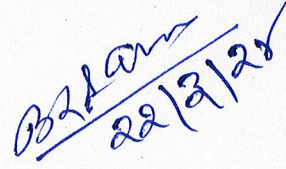
22.3.24

Richa

22/03/24



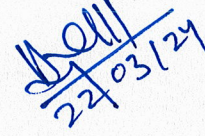
22/3/24



22/3/24

मधुसूदन सिंह

22-3-24



22/03/24

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A Sixth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-11)

(उपनिषद्वाङ्मयं दर्शनञ्च)

T/04

Credits-04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
- औपनिषदिक कर्म, संयम, भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
- वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ का बोध होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

कठोपनिषद् - प्रथमोऽध्यायः - प्रथमावल्ली

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कठोपनिषद् - प्रथमोऽध्यायः (2-3 वल्ली),

(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

तैत्तिरीयोपनिषद् शिक्षावल्ली

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

तर्कसंग्रहः - द्रव्य-गुणनिरूपणम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- तर्कसंग्रह, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कठोपनिषद्- गीताप्रेस, गोरखपुर
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता (सम्पा०) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ,
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो.राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. दासगुप्ता (अनु०) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदीग्रंथ अकादमी, जयपुर
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजु गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- वैदिक साहित्य का इतिहास, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- श्रीसिद्धान्तशिखामणिपसमीक्षा (षड्दर्शनीतुलनात्मिका), डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज, शैवभारतीशोधप्रतिष्ठान, वाराणसी
- तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- तैत्तिरीयोपनिषद्, Ramakrishna Mission, Kolkata.

Ganesh Singh
22/03/24

Devyeketu
22/3/24

22/03/2024

22/3/24

22.3.24

Richa
22/03/24

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Sixth Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – (P-12)

(छन्दस्समासश्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत समास का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत छंदों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- संस्कृत छंदों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी-अव्ययीभावः तत्पुरुषश्च

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी-द्वन्द्वः बहुब्रीहिसमासश्च

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

वृत्तसंग्रहः (आर्या-अनुष्टुप-मन्दाक्रान्ता-इन्द्रवज्रा-उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजङ्गप्रयात छन्दसालक्षणोदाहरणम्)

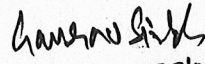
चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

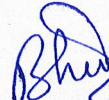
वृत्तसंग्रहः (वृत्तसंग्रहस्य अन्येषां छन्दसां लक्षणमुदाहरणञ्च)

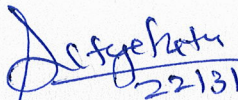
संस्तुत-ग्रन्थाः

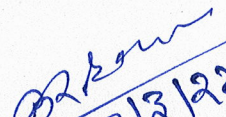
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धान्त कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- वृत्तसंग्रह- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, रॉयल बुक डिपो, लखनऊ
- वृत्तरत्नाकरः श्री केदारभट्ट, (व्या.) बलदेव उपाध्याय, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो. राजेंद्र मिश्र, अक्षय बट प्रकाशन

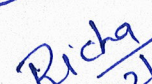

22/03/2024

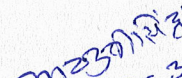

22/03/24


22.3.24


22/3/24


22/3/24


22/03/24


22-3-24


22/03/24

1

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Sixth Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-13-A)

(धर्मशास्त्रं नीतिशास्त्रञ्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक धर्मशास्त्र एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

मनुस्मृति: द्वितीयोऽध्यायः (1-30 श्लोकपर्यन्तम्)

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

मनुस्मृति: द्वितीयोऽध्यायः (31-60 श्लोकपर्यन्तम्)

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

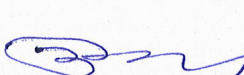
भर्तृहरिकृतं नीतिशतकम् (01-25 पद्यानि)

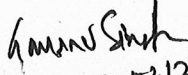
चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

भर्तृहरिकृतं नीतिशतकम् (26-50 पद्यानि)

संस्तुत-ग्रन्थाः-

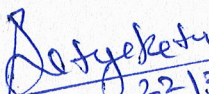
- मनुस्मृति: चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- नीतिशतकम्-मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
- धर्मशास्त्र का इतिहास पी.वी. काणे उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- आपस्तम्बीयमध्यात्मपटलम्- डा. प्रयागनारायण मिश्र, संस्कृतविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- नीतिशतकम्, राजेश्वरशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी

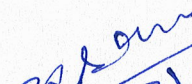

22/03/2024

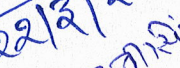

22/03/24


22.3.24


22/03/24


22/3/24


22/3/24


22-3-24


22/03/24

स्नातक-षष्ठषाणमासिकसत्रम्
(B.A Sixth Semester)
तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-13-B)
(राजतन्त्रमर्थशास्त्रञ्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक राजतन्त्र एवं राजनैतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- राजनीति विषयक धर्म विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

विद्यासमुद्देशः॥1॥ वृद्धसंयोगः॥2॥ इन्द्रियजयः॥3॥ अमात्योत्पत्तिः॥4॥
मन्त्रिपुरोहितोत्पत्तिः॥5॥ उपधाभिः शौचाशौचज्ञानममात्यानाम्॥6॥

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

गूढपुरुषोत्पत्तिः॥7॥ गूढपुरुषप्रणिधिः॥8॥ स्वविषये कृत्याकृत्यपक्षरक्षणम्॥9॥
परविषये कृत्याकृत्यपक्षोपग्रहः॥10॥ मन्त्राधिकारः॥11॥ दूतप्रणिधिः॥12॥

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

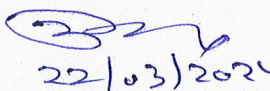
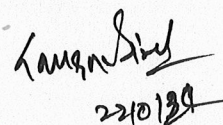
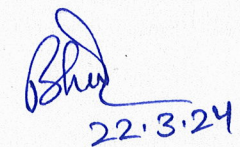
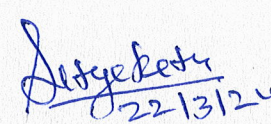
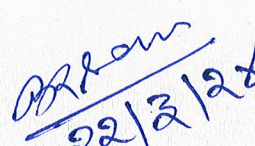
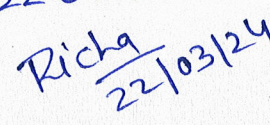
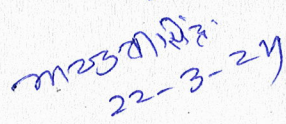
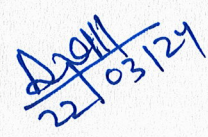
मनुस्मृतिः 08/2-25 श्लोकाः

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

मनुस्मृतिः 08/26-50 श्लोकाः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- अर्थशास्त्रम्, कौटिल्य, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- मनुस्मृतिः, मनु, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- याज्ञवल्क्यस्मृति-याज्ञवल्क्यः, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- धर्मशास्त्र का इतिहास पी वी काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- शुक्रनीति शुक्राचार्यः, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- विदुरनीति विदुरः, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर

 22/03/2024
 22/03/24
 22.3.24
 22/3/24
 22/3/24
 22/03/24
 22-3-24
 22/03/24

स्नातक-षष्ठषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Sixth Semester)
तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-13-C)
(आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्)

Credits-04

T/04

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।
- नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल साहित्य से परिचित होकर संस्कृत शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

कविलोचनिका-प्रथमो भागः - वालीविच्छितिः, कज्जलं मामवेहि, विपत्रितेयं जीवनलतिका,
तदेवगगनं सैव धरा, रोटिकालहरी, नौकामिह सारं सारम्, (व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कविलोचनिका-द्वितीयो भागः- जयतु मम स्वातन्त्र्यसरणिः, नैव यूकस्तु कर्णेषु नो रिङ्गति,
तन्मनो भारतीयं कथं कल्पताम्, न भारतं विकीर्यताम् कापिशायनी, स्त्री, (व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

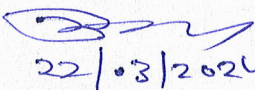
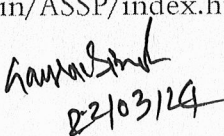
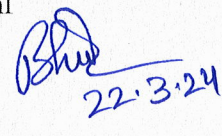
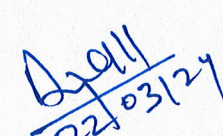
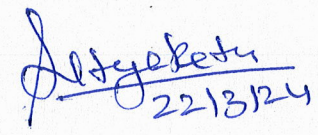
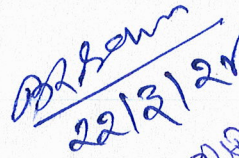
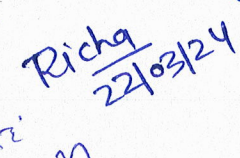
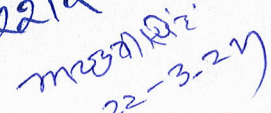
सुधाभोजनम्, मण्डूकप्रहसनम्
(व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

आधुनिकसंस्कृतसाहित्येतिहासः
(पद्यसाहित्यम्, गद्यसाहित्यम्)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- कविलोचनिका (अद्यतनकवीनां कवितासंग्रह) प्रो० बृजेशकुमारशुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- सुधा भोजनम्- प्रो. अशोक कुमार कालिया, अखिलभारतीय संस्कृत परिषद्, लखनऊ
- नवरूपकम् सम्पादक प्रो० बृजेशकुमारशुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, सप्तम खंड आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- <http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html>

 22/03/2024
 22/03/24
 22.3.24
 22/03/24
 22/3/24
 22/3/24
 22/03/24
 22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-14)

(वेदो वेदवाङ्मयञ्च)

Credits-04

T/04

Course outcomes:

After completion of the Paper the students

- will know about the nature, action and representation of some Vedic deities.
- will be able to explain meaning of the Vedic hymns according to some famous commentaries of ancient and modern commentators.
- will try to recite Vedic mantras in their true form with the knowledge of Vedic Svara and grammar.
- will be able to understand Vedas as our valuable ancient heritage.
- will be successful in applying this knowledge for exploring other Vedic texts.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

ऋग्वेदः - अग्निमारुतसूक्तम् 1.19, वरुणसूक्तम् 1.25, सूर्यसूक्तम् 1.115, विष्णुसूक्तम् 1.154, इन्द्रसूक्तम् 2.12, इत्येतेषां मन्त्राणां व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

सामवेदः - यज्ञायज्ञीयसूक्तम् 1.4, अथर्ववेदः मेधाजनसूक्तम् 1.1, राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् 1.29, राष्ट्रसभासूक्तम् 7.12, सामनस्यसूक्तम् 3.30, इत्येतेषां मन्त्राणां व्याख्यात्मकमध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

पदपाठनियमाः वैदिकव्याकरणञ्च

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- ऋक्सूक्तसङ्ग्रहः - डॉ. हरिदत्त शास्त्री साहित्य भंडार, मेरठ
- अथर्ववेद-दामोदरपाद सातवलेकर स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- वेदामृतमंजूषिका - डा. प्रयागनारायणमिश्र प्रकाशनकेन्द्र, लखनऊ
- वैदिक व्याकरण- डॉ. रामगोपाल
- वैदिक साहित्य और संस्कृति - प्रो. बलदेव उपाध्याय चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का बृहद् इतिहास-प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, ईस्टर्न बुक डिपो, दिल्ली
- संस्कृतवाङ्मय का बृहद् इतिहास वेदाङ्गखण्ड-प्रो. ओम् प्रकाश पाण्डेय, उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ

22/03/2024
22/03/24
22.3.24
22/03/24
22/03/24
22/03/24
22/03/24
22-3-24

(B.A. Seventh Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् (P-15)

(काव्यं काव्यशास्त्रञ्च)

T/04

Credits-04

Course outcome:

After completion of the Paper the students

- will know about the rich Sanskrit literary tradition.
- will be able to appreciate the aesthetical, political, social, cultural values expressed in prescribed literary composition.
- will form a deep understanding of the fundamental terminologies of Kavya as presented by Mammata.
- will acquire an in-depth knowledge of the theories of meaning, the importance of suggestive meanings and rasa in poetry.
- will be successful in applying this knowledge for critical analysis in the light of suggestive meanings.
- will gain the ability to explaining and critically analyzing the prescribed texts.
- will be able to appreciate and enjoy the expressions of poetry.

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः) 1-35 श्लोकपर्यन्तं व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः) 36-70 श्लोकपर्यन्तं समीक्षात्मकमध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

नैषधीयचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

काव्यप्रकाशः (1-3 उल्लासाः) मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- नैषधीयचरितम् नारायणीटीकोपेतम्-उत्तर प्रदेश संस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ
- नैषधीयचरितम्-शेषराज शर्मा रेग्मी
- नैषधपरिशीलनम्- डॉ. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
- काव्यप्रकाशः वामनझलकीकरटीकोपेतः
- काव्यप्रकाशः - हिन्दीव्याख्याकारः, आचार्य विश्वेश्वरः ज्ञानमंडल निकेतन, वाराणसी
- काव्यप्रकाशः - डॉ. गंडुगानाथझाकृताङ्गलानुवादसहितः
- संस्कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे

प्रकाशः - डा. गङ्गानाथ झा कृत 'इंला मुपादसाहसः'
कृतकाव्यशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे
22/03/2024
22/03/24
22.3.24
22/03/24
22/03/24
22/03/24
22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

तृतीयप्रश्नपत्रम् (P-16)

(दर्शनशास्त्रम्)

Credits-04

T/04

Course outcome:

After completion of the Paper the students

- will be able to critically analyze and examine the fundamental concepts of Nyaya Philosophy.
- will be able to understand and explain the prescribed text and the conceptual terms therein.
- will be able to critically analyze the prescribed theories.
- able to know the scientific approach of Nyaya-Vaisheshika philosophers in the analysis of the phenomenal world and its process of evolution.
- understand the contribution of Nyaya-Vaisheshika philosophers in the epistemological studies, application of which is very important in the day to day life situations; helping them in the proper judgment of the Truth.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

तर्कभाषा- आदित प्रमाणप्रकरणसमाप्तिं यावत्, मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

तर्कभाषा- प्रमेयनिरूपणादारभ्य ग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तम्,

मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी 1-25 कारिका- मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी 26-50 कारिका:-मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- तर्कभाषा-केशवमिश्रः, आचार्यविश्वेश्वरः चौखम्भा संस्कृतसंस्थान, वाराणसी
- तर्कभाषा-गजाननशास्त्री मुसलगांवकर चौखम्भा संस्कृतसंस्थान, वाराणसी
- सांख्यतत्त्वकौमुदी, आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- सांख्यतत्त्वकौमुदी, गजाननशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- भारतीयदर्शन-उमेशमिश्रः उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- भारतीयदर्शन- डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल एण्ड संस दिल्ली
- भारतीयदर्शन-चटर्जी एवं दत्त पुस्तक भंडार पटना
- भारतीय दर्शन विशद विवेचन, डा. गीता शुक्ला, युवराज पब्लिकेशन्स आगरा
- तर्कभाषा, डा. गीता शुक्ला, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर,
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु०) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन् (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाश, दिल्ली

22/03/2024

Ganpati
22/03/24

22.3.24

22/03/24

22/3/24

22/3/24

Richa
22/03/24

22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Seventh Semester)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (P-17)

(भाषाविज्ञानं व्याकरणञ्च)

Credits-04

T/04

Course outcome:

After completion of the Paper the students

- will be able to observe and analyse Sanskrit language with reference to the development's taken place with the advent of modern linguistics.
- understand the basic concepts of historical linguistics and we'll know the rules of language change and their application in Sanskrit.
- will be able to observe and appreciate the contribution of the ancient Indian philosophy of language and linguistic.
- will be able to understand the important relevant and their purposes of the study grammar.
- will be able to understand the nature of the word, meaning and their relation.
- will be able to understand the Sphota theory of the grammarians.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

सिद्धान्तकौमुदी- कारकप्रकरणम्

(प्रथमाविभक्तिः)

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

भाषाविज्ञानस्य भाषिकरूपं भाषिकदृष्ट्यश्च लोक-भाषाभाषा,
ऐतिहासिक-समसमायिक-रचनात्मक-प्रजनक-सम्प्रेषणात्मिका भाषादृष्ट्यः

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

भाषाविज्ञानस्य शाखा - ध्वनिविज्ञानम्,
रूपविज्ञानम्, पदवाक्यविज्ञानमर्थविज्ञानञ्च

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

संस्कृतभाषाविज्ञानम् - उपभाषास्वरूपम् -

पालिः - प्राकृतमपभ्रंशश्च, वैदिकभाषा - लौकिकसंस्कृतञ्च

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ. उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- सिद्धांत कौमुदी, तारणीश झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

22/03/2024

22/03/24

22/3/24

22/03/24

22/3/24

22/3/24

22/03/24

22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Seventh Semester)
पंचमप्रश्नपत्रम् (P-18-A)
(पालिप्राकृतसाहित्यम्)

Credits-04

T/04

Course outcome:

After completion of the paper,

- the Students will learn the basics of Pali grammar and vocabulary through direct study of selections from the Buddha's discourses.
- It thus aims to enable students to read the Buddha's discourses in the original as quickly as possible. The textbook for the course is Dhammapada which includes.
- the students will know the relation between Sanskrit and Pali Language.
- the students will enable to read ancient Buddhist scriptures.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

धम्मपदम् (1-10 वग्गाः) मूलपाठस्य व्याख्यात्मकध्ययनम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

कर्पूरमञ्जरी-मूलपाठस्य व्याख्यात्मकध्ययनम्

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

ग्रन्थद्वयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

पालिप्राकृतव्याकरणाभ्यासः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- धम्मपदं-व्याख्या कन्हेदी लाल गुप्त, प्रका. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- धम्मपद - सम्पा. भिक्षु धर्मरक्षित, प्रका. मास्टर खेलाड़ीलाल संकटा प्रसाद, संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी-1
- कर्पूरमञ्जरी-व्याख्या. रामकुमार आचार्य, प्रका. चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- कर्पूरमञ्जरी-व्याख्या. चुन्नीलाल शुक्ल, प्रका. साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
- पालि व्याकरण- भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
- प्राकृत प्रकाश-वररुचि, प्रका. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- पालि प्रवेशिका-डा. कोमलचन्द्र जैन, प्रका. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
- प्राकृत दीपिका-डा. सुदर्शन लाल जैन, प्रका. पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
- पालि-प्राकृत-अपभ्रंश संग्रह- रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र, प्रका. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

22/03/2024
22/03/24
22.3.24
22/03/24
22/03/24
22/03/24
22/03/24
22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Seventh Semester-optional)
पञ्चमप्रश्नपत्रम् (P-18-B)
(संस्कृतं विज्ञानञ्च)

Credits-04

T/04

Course outcome:

After the completion of this the course students

- will be able to know the importance of the ancient mathematics, astronomy and architecture science.
- will be able to know significance of the ancient Physics, Chemistry and Military science in Sanskrit.
- will be able to know the Ayurveda, Botany and Zoology in Sanskrit literature.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

संस्कृतवाङ्मये गणित-ज्योतिष-वास्तुप्रबन्धविज्ञानम्

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

संस्कृतवाङ्मये भौतिकी-अभियान्त्रिकी-रसायन-कृषि-आयुर्विज्ञान-सैन्यविज्ञानञ्च

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

संस्कृतसाहित्याभिमतं भूगर्भ-वनस्पति-प्राणिशास्त्रम्

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

संस्कृताध्ययने संगणकीयप्रयोगः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- वैदिक सृष्टि उत्पत्ति रहस्य, डॉ. विष्णुकान्तवर्मा, वैदिकप्रकाशन, इलाहाबाद
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भ समालोचना- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
- संस्कृतवाङ्मय मे विज्ञान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
- वेद विज्ञान एवं ब्रह्मांड, चन्द्रमणिसिंह, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
- संस्कृत कम्प्यूटर, डॉ. केशव चन्द्र दाश, प्रतिभा प्रकाशन

22/03/2024

Ganesh 22/03/24

Richa 22/03/24 22.3.24

Seetakesh 22/3/24

Arshant 22/3/24

Arshant 22/03/24

मञ्जरी सिंह
22-3-24

स्नातक-सप्तमषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Seventh Semester)

पंचमप्रश्नपत्रम् (P-18-C)

(पुराणमितिहासश्च)

T/04

Credits-04

Course outcome:

After the completion of this the course students

- will be able to learn about the behavioural values, ethics and belief patterns through the individual characters of the epics.
- will be able to explain the aesthetic and poetic beauty and style of presentation of the texts of Ramayana and Mahabharata.
- will get the knowledge of the historic value of Ramayana and Mahabharata.
- will learn about the social, economic, geographical, political, philosophical and educational aspects of Ramayana and Mahabharata.

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

रामायणमहाभारतयोः अध्यायक्रमः, पात्राणि, कालक्रमः, संस्करणानि, टीकाश्च

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

महापुराणानां परिचयः, पुराणलक्षणं भेदाश्च

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

रामायणम् – युद्धकाण्ड 18 वां सर्ग

चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

विदुरनीतिः

संस्तुत-ग्रन्थाः

- पुराण-विमर्शः - बलदेव उपाध्यायः चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- पुराणसाहित्यदर्शः - प्रो० बृजेशकुमारशुक्लः नाग प्रकाशक, दिल्ली
- श्रीमद्रामायणम्-गीताप्रेस, गोरखपुरम्
- श्रीमन्महाभारतम् - गीताप्रेस, गोरखपुरम्
- विदुरनीति, गीताप्रेस, गोरखपुर
- अष्टादशपुराणदर्पण, नागप्रकाशन, नई दिल्ली

22/03/2024

hans Singh

Richa 22/03/24

Setyaketu 22/3/24

22.3.24

22/3/24

22-3-24

22/03/24

स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Eighth Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (P-19)

(शोधप्रविधिः)

(Research Methodology)

Credits-04

T/04

Course outcome:

After the completion of this the course students

- will be able to recognize research issues, problems and queries and appropriate methodology.
- will be able to evolve the skills required to arrange the research, examine, and present the findings in their thesis.
- will have understand about the publication ethics and publication misconducts.

प्रथमोवर्गः

अनुसन्धान सम्प्रत्ययः, परिभाषाः, पर्यायाश्च ।

अनुसन्धानभेदाः – (मौलिक-व्यवहृत-क्रियात्मकञ्च)

द्वितीयोवर्गः

शोधपरिसरः, शोधस्य प्रकाराः (गुणात्मकं मात्रात्मकश्च अनुसन्धानम्), शोधसोपानानि ।

तृतीयोवर्गः

शोधविषयनिर्वाचनम् । शोधपरिकल्पनाः, चराणां परिचयः । प्रदत्तांशानां सङ्कलनं तेषां प्रकाराश्च । समस्या चयनं सीमाङ्कनञ्च ।

चतुर्थोवर्गः

शोधसाधनानि, शोधे सङ्गणकसम्प्रयोगाः, सूचनासम्प्रेषणप्रविधयः ।

संस्तुत ग्रन्थाः

- साहित्यानुसन्धानावबोधप्रविधिः, प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी
- संस्कृतशोधप्रविधिः, डॉ. सत्यनारायण आचार्य
- शोध और समीक्षा, डॉ. परमेश्वरीलाल गुप्ता
- अनुसन्धान स्वरूप और आयाम, सं. डॉ. उमाकान्त गुप्त, डॉ. ब्रजरतन जोशी
- अनुसन्धान प्रविधि - सिद्धान्त और प्रक्रिया, एस.एन. गणेशन
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र एवं डॉ. राजेशकुमारी मिश्रा

22/03/2024
Richa 22/03/24
Satyakesh 22/3/24
22/03/24
22/3/24
22-3-24

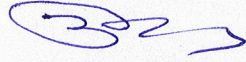
स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. Eighth Semester)

(प्रश्नपत्रम् P-20)

Credits-04

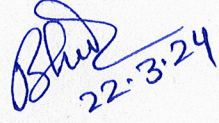
(TERM PAPER)



22/03/2024

Gaman Singh

22/03/24



22.3.24

Richa
22/03/24

Satyokesh
22/3/24

AR Sam
22/3/24

मन्मथजीविका
22-3-24

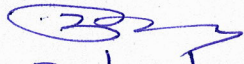
K. G. S.
22/03/24

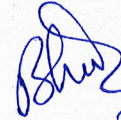
स्नातक-अष्टमषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Eighth Semester)
बृहच्छोधपरियोजना लघुशोधप्रबन्धो वा
(Major Project)

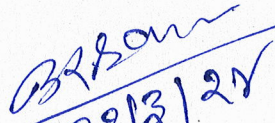
Credits-12

Research Project

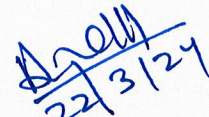
संस्कृतसाहित्यमधिकृत्य अनुसन्धानात्मिका बृहत्परियोजना
शोधप्रकल्पञ्चास्मिन् सत्रे परिकल्पितं वरीवर्ति।

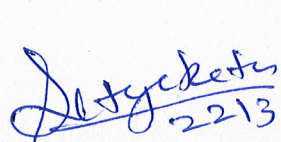

22/03/2024
Gaurav Singh
22/03/24


22.3.24


22/3/24

Richa
22/03/24


22/3/24


22/3/24

मधुसूक्ति
22-3-24